an>

Title: Need to provide adequate facilities to Ashok Chakra Awardees.

श्री कृपाल बालाजी तुमाने (रामटेक)ः 1965 भारत-पाकिस्तान युद्ध से आप भली-भांति परिचित होंगे। मैं सरकार का ध्यान एक विशेष विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। 1965 भारत-पाकिस्तान युद्ध में विशेष योगदान देने वाले श्री कमल नयन, निवासी गढ़ घसीटा, हरियाणा का रोजी-रोटी का एकमात्र साधन ट्रक चलाना था, जिससे कुछ कमाकर अपने बच्चों एवं परिवार का वे भरण-पोषण करते थे।

1965 में जब पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, तो श्री कमल अपने ट्रक को खाली करके देश के सैनिकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पहुंचाने लगे जिसमें इनका पूरा ट्रक नष्ट हो गया।

सैनिकों को इस सहयोग एवं देश की लड़ाई में अहम योगदान देने पर 1966 में तत्कालीन सरकार द्वारा श्री कमल को श्रेणी-3 का "अशोक चक्र " देने की घोषणा की गई तथा 13 सितम्बर, 1966 को देश के महामहिम राष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन जी ने श्री कमल को "अशोक चक्र " से सम्मानित किया। श्री कमल को अशोक चक्र दिया गया, परंतु घर मकान सहित अन्य सुविधा नहीं दी गई है और श्री कमल नयन के रिश्तेदारों द्वारा उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया गया। सरकार के पास बार-बार शिकायत करने पर भी इसका कोई निराकरण नहीं हो सका। कारणवश आज श्री कमल नयन को हरियाणा से पलायन कर अपने बेटे के साथ राजस्थान में रहना पड़ रहा है। आज कमल नयन के पास जीविका चलाने का कोई साधन नहीं है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि श्री कमल नयन के विषय की जांच की जाए और उन्हें सरकार के नियम के हिसाब से सारी सुविधाएं दी जाएं।